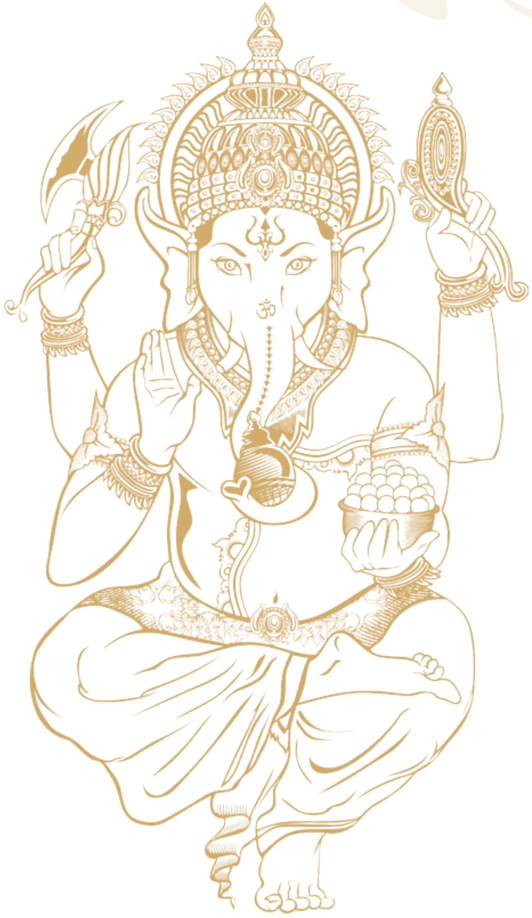

Bedbrat Das

03 Feb 2001

02:30 PM

Gauhati

Model: web-freekundliweb

Order No: 121167906

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 03/02/2001**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	**: 14:30:00 घंटे**
इष्ट	: 20:48:29 घटी
स्थान	**: Gauhati**
राज्य	: Assam
देश	: India

अक्षांश	: 26:10:00 उत्तर
रेखांश	: 91:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:37:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 15:07:00 घंटे
वेलान्तर	: -00:13:51 घंटे
साम्पातिक काल	: 00:01:26 घंटे
सूर्योदय	: 06:10:36 घंटे
सूर्यास्त	: 17:07:17 घंटे
दिनमान	: 10:56:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 20:43:53 मकर
लग्न के अंश	: 17:30:20 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**: वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**: रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
योग	: ऐन्द्र
करण	: तैतिल
गण	: मनुष्य
योनि	: सर्प
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: गरूड़
युँजा	: पूर्व
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:30:20	318:37:28	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			मक	20:43:53	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	13:02:53	13:51:18	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	29:59:57	00:32:41	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
बुध			कुंभ	06:46:52	00:07:46	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			वृष	07:27:32	00:01:51	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	06:37:34	00:51:26	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			वृष	00:16:28	00:01:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	21:19:33	00:01:05	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु			धनु	21:19:33	00:01:05	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	26:35:37	00:03:28	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:42:10	00:02:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	20:54:05	00:01:24	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	06:31:09	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:05

लग्न-चलित

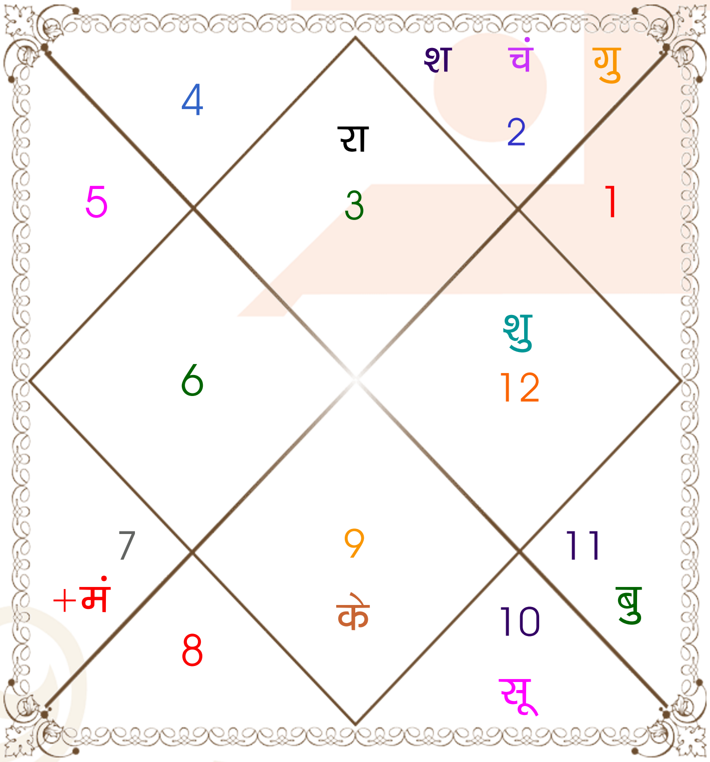

चन्द्र कुंडली

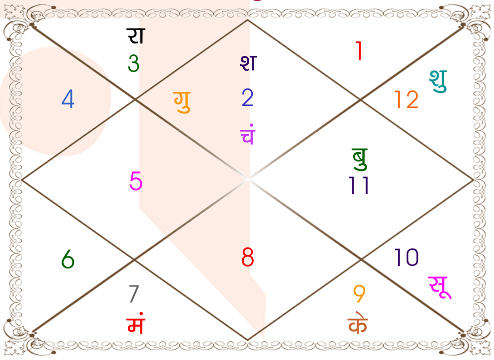

नवमांश कुंडली

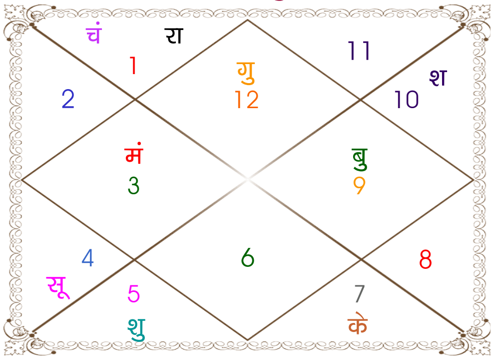

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 8 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
03/02/2001	**22/10/2008**	**22/10/2015**	**22/10/2033**	**22/10/2049**
22/10/2008	**22/10/2015**	**22/10/2033**	**22/10/2049**	**22/10/2068**
00/00/0000	मंगल 20/03/2009	राहु 05/07/2018	गुरु 10/12/2035	शनि 25/10/2052
03/02/2001	राहु 07/04/2010	गुरु 27/11/2020	शनि 22/06/2038	बुध 05/07/2055
राहु 21/09/2001	गुरु 14/03/2011	शनि 04/10/2023	बुध 27/09/2040	केतु 13/08/2056
गुरु 21/01/2003	शनि 22/04/2012	बुध 23/04/2026	केतु 03/09/2041	शुक्र 13/10/2059
शनि 22/08/2004	बुध 19/04/2013	केतु 11/05/2027	शुक्र 04/05/2044	सूर्य 24/09/2060
बुध 21/01/2006	केतु 15/09/2013	शुक्र 11/05/2030	सूर्य 20/02/2045	चंद्र 26/04/2062
केतु 22/08/2006	शुक्र 15/11/2014	सूर्य 05/04/2031	चंद्र 22/06/2046	मंगल 04/06/2063
शुक्र 22/04/2008	सूर्य 23/03/2015	चंद्र 03/10/2032	मंगल 29/05/2047	राहु 10/04/2066
सूर्य 22/10/2008	चंद्र 22/10/2015	मंगल 22/10/2033	राहु 22/10/2049	गुरु 22/10/2068

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
22/10/2068	**22/10/2085**	**22/10/2092**	**23/10/2112**	**23/10/2118**
22/10/2085	**22/10/2092**	**23/10/2112**	**23/10/2118**	**00/00/0000**
बुध 20/03/2071	केतु 20/03/2086	शुक्र 21/02/2096	सूर्य 09/02/2113	चंद्र 24/08/2119
केतु 16/03/2072	शुक्र 20/05/2087	सूर्य 20/02/2097	चंद्र 11/08/2113	मंगल 24/03/2120
शुक्र 15/01/2075	सूर्य 25/09/2087	चंद्र 22/10/2098	मंगल 17/12/2113	राहु 04/02/2121
सूर्य 22/11/2075	चंद्र 25/04/2088	मंगल 22/12/2099	राहु 10/11/2114	00/00/0000
चंद्र 22/04/2077	मंगल 21/09/2088	राहु 23/12/2102	गुरु 30/08/2115	00/00/0000
मंगल 19/04/2078	राहु 10/10/2089	गुरु 23/08/2105	शनि 11/08/2116	00/00/0000
राहु 06/11/2080	गुरु 16/09/2090	शनि 23/10/2108	बुध 17/06/2117	00/00/0000
गुरु 12/02/2083	शनि 25/10/2091	बुध 24/08/2111	केतु 23/10/2117	00/00/0000
शनि 22/10/2085	बुध 22/10/2092	केतु 23/10/2112	शुक्र 23/10/2118	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 8 मा 8 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्बेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।